Nai Duniya (Indore), 28th May 2025, Page- 01

शोध

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) और आइआइटी इंदौर ने किया अध्ययन

कोरोना वायरस के डेल्टा वैरिएंट से हो रहा साइलेंट हार्ट फेलियर

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर द्वारा हाल ही में की गई रिसर्च में सामने आया है कि साइलेंट हार्ट फेलियर और थायराइड विकार जैसी समस्याएं कोविड-19 के डेल्टा वैरिएंट के कारण हो रही हैं। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) और आइआइटी इंदौर द्वारा संयुक्त रूप से किया गया यह शोध जर्नल आफ प्रोटिओम रिसर्च में प्रकाशित हुआ है। इसमें बताया गया कि कोविड के विभिन्न वैरिएंट ने मानव शरीर को किस प्रकार प्रभावित किया है। इस शोध से यह समझने में मदद मिलेगी कि कोविड-19 किस प्रकार जटिलताएं पैदा करता है और इससे भविष्य में कैसे बेहतर निदान का मार्ग मिल सकता है।

3,134 मरीजों के डेटा का किया गया विश्लेषण

बेहतर निदान और उपचार का मिल सकेगा मार्ग

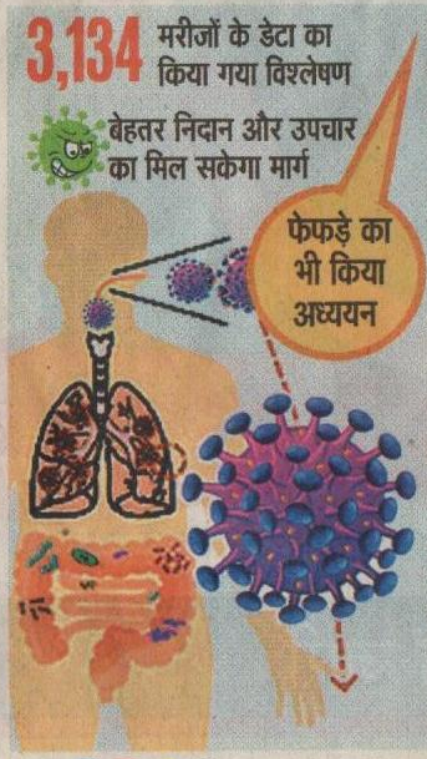

शोधकर्ताओं ने वायरस के प्रभाव को समझने के लिए मरीजों के डेटा के अलावा स्पाइक प्रोटीन के संपर्क में आने वाले फेफड़े और कोलन कोशिकाओं का भी अध्ययन किया। इसमें पाया गया कि डेल्टा वैरिएंट से शरीर के रासायनिक संतुलन में सबसे महत्वपूर्ण व्यवधान उत्पन्न हुआ।

परिवर्तनों को जांचा गया

शोध में कोविड-19 के वाइल्ड टाइप, अल्फा, बीटा, गामा और डेल्टा वैरिएंट से जुड़े प्रमुख बायोकेमिकल, लिपिडोमिक और मेटाबोलोमिक परिवर्तनों का अध्ययन किया। इसके लिए भारत में कोविड-19 की पहली और दूसरी लहर के 3,134 मरीजों का डाटा लिया गया।

इन्होंने किया शोध का नेतृत्व

शोध में शामिल आइआइटी इंदौर की टीम। ●सौ. आइआइटी

शोध में आइआइटी इंदौर के डा. हेमचंद्र झा और केआइएमएस भुवनेश्वर के डा. निर्मल कुमार मोहकुद, आइआइआइटी प्रयागराज की प्रो. सोनाली अग्रवाल, बुद्धदेव बराल, वैशाली सैनी, सिद्धार्थ सिंह, तरुण वर्मा, देब रथ, ज्योतिर्मयी बाहिनीपति, प्रियदर्शिनी पांडा, शुभ्रांशु पात्रो, नम्रता मिश्रा, मानस रंजन बेहरा, कार्तिक मुदुली, हेमेंद्रसिंह, अजय मीना और सौम्या आर. महापात्रा शामिल रहे।

"यह अध्ययन आइआइटी इंदौर में अंत:विषय सहयोग और अत्याधुनिक शोध की क्षमता का प्रमाण है। कोविड-19 के दीर्घकालिक प्रभाव को समझना बेहतर स्वास्थ्य सेवा और उपचार के लिए जरूरी है। - प्रो. सुहास एस.जोशी, निदेशक, आइआइटी

"हमारे निष्कर्षों से पता चलता है कि कोविड-19 के विभिन्न वैरिएंट शरीर को किस तरह से प्रभावित करते हैं, खासकर डेल्टा वैरिएंट, जिसने मेटाबालिज्म और हार्मोनल मार्गों में बड़े व्यवधान पैदा किए। -डा. हेमचंद्र झा, एसो. प्रोफेसर, आइआइटी